रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 312 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

भारत अब हर चुनौती और परिस्थिति का सामना करने में सक्षम: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद का विचार था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रभावी नेतृत्व और मार्गदर्शन में आज विवेकानंद जी का यह स्वप्न साकार होता दिख रहा है। वर्तमान में विश्व का हर देश भारत से मित्रता करना चाहता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब हर चुनौती और परिस्थिति का सामना करने में सक्षम है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भूमिका के आधार पर ही भारत आज दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है। हमारे प्रशासनिक अधिकारी हर चुनौती का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। भारत की अनेक विविधताओं के बीच आज देश में यह सेवा क्षेत्र मजबूती और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मप्र आईएएस एसोसिएशन सर्विस मीट-2025 के शुभारंभ अवसर पर प्रशासन अकादमी में संबोधित कर रहे थे।

- **राजाओं की सत्ता को प्रजातंत्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका**- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की आजादी के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों के फलस्वरूप प्रशासनिक व्यवस्था निर्मित हो पाई। देश में राजाओं की सत्ता को प्रजातंत्र में बदलने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हमारे देश की संवैधानिक व्यवस्था में संघीय प्रणाली है और इस बीच प्रदेश के अधिकारियों ने केंद्र-राज्यों के साथ समन्वय करते हुए राज्य की बेहतर छवि बनाई है। मध्यप्रदेश एक प्रयोगशाला की तरह है, जहां कई क्षेत्रों में लगातार नवाचार हुए और इनमें से कई नवाचारों का देश-दुनिया में अनुसरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम अनुभव के महत्व को पहचानते हैं।

आज से मेट्रो सिटी बन जाएगी मध्यप्रदेश की राजधानी

मेट्रो 3 मिनट में पहुंचा देगी, 20 रुपए से किराया शुरू

एक दिन में 17 ट्रिप रहेंगी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल कल 20 दिसंबर से मेट्रो सिटी बन जाएगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। 6.22 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर मेट्रो में सवार होकर शहर को देखेंगे। अगले दिन 21 दिसंबर की सुबह 9 बजे से आम लोग भी मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। एक दिन में मेट्रो सुभाष नगर से एम्स के बीच कुल 17 ट्रिप लगाएगी। 3 मिनट में एक से दूसरे स्टेशन पर पहुंचेगी और न्यूनतम किराया 20 रुपए होगा। भोपाल में मेट्रो के दो प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पहला ऑरेंज लाइन करोंद से एम्स के बीच 16.74 किलोमीटर लंबा है। वहीं दूसरा प्रोजेक्ट ब्लू लाइन 14.16 किलोमीटर भदभदा से रत्नागिरि तक है। दोनों के लिए डिपो सुभाष नगर में बना है। वहीं पुल बोगदा में जंक्शन बनेगा, यानी ट्रेनें यहां से क्रॉस होंगी।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, हालात बेकाबू

2 न्यूज चैनल्स और अवामी लीग के ऑफिस फूंके, जमकर किया उत्पात

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार देर रात देश के सबसे बड़े अखबार डेली स्टार और प्रोथोम आलो के ऑफिस में जबरन घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास में भी तोड़फोड़ की गई है और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के ऑफिस को भी जला दिया गया है। उस्मान हादी शेख हसीना के खिलाफ जुलाई 2024 में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। उन्हें 12 दिसंबर को चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिंगापुर ले जाया गया था। 6 दिन बाद उनकी मौत हो गई। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद उसके शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी।

- **शेख हसीना विरोधी नेता की मौत के बाद हिंसा, हिंदू युवक को जलाया**

पुलिस ने मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की है पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लोग 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाते दिख रहे हैं। बांग्लादेश एक बार फिर हिंसा की आग में जल उठा है। शेख हसीना और भारत विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद पूरे बांग्लादेश में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने डेली स्टार और प्रोथोम अलो अखबारों के ऑफिस में घुसकर आग लगा दी और जमकर तोड़फोड़ की। इसके अलावा ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू को पीट-पीटकर मार डाला गया और फिर शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई। बांग्लादेश में सबसे पुरानी सांस्कृतिक संस्था छायानट पर भी उपद्रवियों ने हमाल कर दिया। धनमंडी स्थित छायानट के कार्यालय में पहले तोड़फोड़ की गई और फिर आग लगा दी गई।

रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने के लिए धामी सरकार का प्लान, राज्यभर में आयोजित होंगी प्रवासी पंचायत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड की 10वीं बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि पलायन की समस्या राज्य के लिए एक बड़ी चुनौती रही है, लेकिन पिछले चार–पाँच वर्षों में रिवर्स पलायन को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार ने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएँ लागू की गई हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत ऋण लेने पर पात्र लाभार्थियों को अनुदान (सब्सिडी) भी प्रदान की जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है।

प्रवासी पंचायतों और वेडिंग डेस्टिनेशन विकास पर विशेष बल

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्यभर में प्रवासी पंचायतों का आयोजन किया जाए, जिनमें देश एवं विदेश में कार्यरत प्रवासियों को आमंत्रित किया जाए। उन्हें राज्य सरकार की रिवर्स पलायन से जुड़ी पहलों की जानकारी दी जाए और उनके सुझाव भी प्राप्त किए जाएं। मुख्यमंत्री ने आयोग के सदस्यों से अन्य राज्यों में जाकर रिवर्स पलायन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी देने के साथ ही पलायन रोकने और रिवर्स पलायन से जुड़े नवाचारों का अध्ययन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि त्रियुगीनारायण की तर्ज पर राज्य के 25 नए स्थलों को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाए। इन स्थलों में सभी मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए लघु उद्योगों के संवर्धन पर भी बल दिया गया।

रिवर्स पलायन की दिशा में उत्साहजनक परिणाम

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ एसएस नेगी ने बताया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में अब रिवर्स पलायन का रुझान देखने को मिल रहा है। अब तक लगभग 6282 व्यक्ति वापस अपने गाँवों में लौटे हैं। इनमें देश के भीतर और विदेशों से लौटे लोग भी शामिल हैं।

इंदौर में सूदखोरी की बर्बरता दुगुनी वसूली के बाद भी नहीं थमा अत्याचार, गाड़ी छीनी, जान से मारने की धमकी

राजेश धाकड़

इंदौर। शहर में सूदखोरी की बर्बरता का एक गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पीड़ित से मूल रकम से दोगुने पैसे वसूलने के बावजूद सूदखोर द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगा है। पीड़ित ने इस संबंध में संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नितिन यादव नामक व्यक्ति ने गौरव नीले को करीब ढाई लाख रुपये उधार दिए थे। आरोप है कि इस राशि के बदले सूदखोर द्वारा अब तक पीड़ित से लगभग पांच लाख रुपये वसूल लिए गए। इसके बावजूद भी सूदखोर का लालच और अत्याचार नहीं थमा। पीड़ित का आरोप है कि पूरी रकम चुका देने के बाद भी सूदखोर ने उसकी गाड़ी जबरन जब्त कर ली और जान से मारने की धमकियां देने लगा। इतना ही नहीं, रकम लौटाने के दौरान सूदखोर द्वारा लिए गए चेकों को जानबूझकर बाउंस करवाने की कोशिश की जा रही है, ताकि पीड़ित पर कानूनी और मानसिक दबाव बनाया जा सके। लगातार मिल रही धमकियों और मानसिक प्रताड़ना के चलते पीड़ित और उसका परिवार भय के साए में जीने को मजबूर है। पीड़ित का कहना है कि सूदखोर द्वारा बार-बार डराया-धमकाया जा रहा है और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। पीड़ित ने पूरे मामले की लिखित शिकायत संबंधित थाने में दर्ज कराई है और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि पुलिस इस गंभीर मामले में कब और क्या ठोस कदम उठाती है, तथा शहर में फल-फूल रही अवैध सूदखोरी पर कब प्रभावी रोक लगाई जाती है।

21 दिसंबर - विश्व ध्यान दिवस

ध्यान की अवस्था का अनुभूत प्रयोग ही सहजयोग की विशेषता है

भारतीय दर्शन में शास्त्र के कथनानुसार चलने का महत्व है और तदनुसार आत्मा ही है परमात्मा को पाने का माध्यम, अतः उसे जगाना होगा। इसे सरलता से निशुल्क घर बैठे अनुभव करने का उपाय है श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहजयोग ध्यान पद्धति। यह सहज योग ध्यान पद्धति पतन्जलि योग पद्धति के आठ अंगों यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा तथा समाधि के सिद्धान्त का अनुमोदन करती है। इसमें आरंभ के चार अंग भौतिक शरीर के सुख एवं रोग क्लेश निवारण के लिये हैं, और शेष चार मन मस्तिष्क एवं आत्मिक सुख का साधन हैं। ध्यान की अवस्था का अनुभूत प्रयोग ही सहजयोग की विशेषता है। ध्यान की अनुभव सिद्धता का आनंद जो कुछ मिनिटों की प्रार्थना से ही लेना गूंगे के गुड़ के समान शब्दातीत है, जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठा।

सहज योग ध्यान के माध्यम से आत्मा के जागरण के द्वारा आनंद का अमृत जीवन को सींचता है, रोग, शोक, भय, आशंका, पीड़ा सबका नाश हो कर आत्मिक सुख प्राप्त होता है। मनुष्य का कल्याण ध्यान के द्वारा बड़ी सहजता से होता है इसी कारण इसे सहजयोग कहा जाता है।

संसार की अनेक सभ्यताएं प्रकाश की

आराधना श्रद्धा और समर्पण से करती रही हैं क्योंकि प्रकाश ही परम शक्ति का प्रतीक है जो जीवन को नश्वरता से अमरत्व की ओर ले जाने का प्रेरक आनंद है। सहजयोग की ध्यान पद्धति बड़ी सूक्ष्मता से इस आनंद को हमारे भीतर जगा देती है और हमारे आत्म विश्वास को दृढ़ करती है। आनंद की सर्जना करने वाली माँ हमारे भीतर हैं, और वह ध्यान द्वारा जागृत की जा सकती हैं।भारतीय संस्कृति मातृ शक्ति की उपासक रही है मातृ देवो भव का आदर्श हमारा आधार है। वैदिक काल से ले कर वर्तमान युग तक हम नदी, धरती, गाय, और देश को भी माँ के नाम से पूजते हैं। अथर्व वेद मे उल्लेख है माता भूमिः पुत्रोहम पृथिव्या अर्थात भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र । इस भावना के पार्श्व में गूढ़ ज्ञान विलोपित है। वास्तव में शिव से पृथक शक्ति ही प्रकृति है पाँच तत्वों में यही मातृ शक्ति सूक्ष्म रूप मे जीव का सर्जन करती है। और जीव के जन्म लेने के पश्चात उसकी इच्छा शक्ति (विल पॉवर) के रुप उसके आनंद का सृजन करने को आतुर रहती है उसकी इसी आतुरता को स्वयं के बारे मे जानने की जिज्ञासा को कोऽहम्?कहा गया। ध्यान इसी कः अहम्? की जिज्ञासा का उत्तर है। परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी प्रणीत सहज योग की ध्यान पद्धति अत्यंत सरलता से इस प्रश्न के उत्तर को अनुभव कराती है। निश्चय ही माँ सृष्टि की आनंद दायिनी सर्जक शक्ति है वही हमारे आत्म बल को बलवत्ता प्रदान करती है इसी लिए हम भारतीय परंपरा से ही शक्ति के उपासक हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है। अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

चायनीज मांझा बेचने वाले आरोपियों के विरूद्ध, पुलिस थाना संयोगितागंज की प्रभावी कार्यवाही

मानव जीवन को संकट उत्पन्न करने तथा शासन व्दारा जारी निर्देशो के उल्लंघन सहित विविध धाराओ में आरोपियों के विरूद्ध पंजीबद्ध किए अपराध इन्दौर शहर में प्रतिबंधित चायनीज मांझा के संबंध में जनजागरूकता के साथ ही, इनके क्रय-विक्रय व उपयोग करने वालो की धरपकड करने एव वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त नगरीय इन्दौर जोन-3 श्री राजेश व्यास एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नगरीय इन्दौर जोन-3 श्री रामस्नेही मिश्रा द्वारा क्षेत्र में इस संबंध में कड़ी निगरानी व चैकिंग कर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। जिस पर सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज श्री तुषार सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस थाना संयोगितागंज द्वारा चाइनीज मांझे की गतिविधियों में लिप्त लोगो के विरुद्ध कार्यवाही की गई हैं। उक्त निर्देशो के तारतम्य में थाना

प्रभारी संयोगितागंज जोन-3 इन्दौर व्दारा एक टीम गठित कर चायनीज मांझे का क्रय विक्रय करने की धरपकड हेतु लगाया गया जिसमें संदिग्धो की चेकिंग के दौरान दिनांक 18.12.25 को थाना संयोगितागंज जोन-3 इन्दौर में चायनीज मांझे के साथ एक विधी विरुद्ध बालक को पकडा गया जिसके कब्जे से प्रतिबंधित चायनीज मांझा का 01 बंडल कीमती 500 रूपये करीब जप्त किया गया । जिससे जानकारी के आधार पर सन्नी अग्रवाल निवासी सुखदेव नगर इन्दौर को विधिवत गिरफ्तार किया जाकर प्रतिबंधित चायनीज मांझा के 04 बंडल कीमती 2000 रूपये जप्त किये। इस प्रकार दोनो आरोपियों से करीब का कुल 05 बंडल प्रतिबंधित चायनीज मांझा कीमती 2500 रूपये करीब का जप्त किया जाकर थाना संयोगितांगज जोन-3 इन्दौर पर अपराध क्र.460/2025 धारा 125, 223 (बी) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी संयोगितागंज नगरीय इन्दौर निरीक्षक के.पी.एस. यादव, उपनिरीक्षक अरविन्द खत्री, प्रआर. 453 विमल, प्रआर. 944 कालीचरण, आर.946 संदीप की सराहनीय भूमिका रही।

रणजीत टाइम्स

आरईटी संरक्षण मॉडल

दुर्लभ वनस्पति प्रजातियों के पुनर्जीवन का एक अंतर-संस्थागत मॉडल

आदित्य शर्मा

इंदौर। दुर्लभ, संकटग्रस्त एवं विलुप्तप्राय (RET) देशी वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण हेतु इंदौर में शुरू की गई एक जिला-स्तरीय पहल अब अपने प्रारंभिक वन विभागीय दायरे से आगे बढ़कर विश्वविद्यालयों, पुलिस विभाग और पड़ोसी वन मंडलों तक विस्तारित हो रही है। यह मॉडल अब जैव विविधता आधारित पुनर्स्थापन (restoration) के लिए एक अनुकरणीय ढांचे के रूप में अपनाया जा रहा है। इंदौर वन मंडल द्वारा विकसित यह आरईटी संरक्षण मॉडल देशी वृक्ष प्रजातियों में आई तीव्र गिरावट की प्रतिक्रिया के रूप में तैयार किया गया था। इस ढांचे ने पारंपरिक पौधारोपण अभियानों से आगे बढ़ते हुए वैज्ञानिक योजना, सामुदायिक सहभागिता और संस्थागत स्वामित्व को एकीकृत किया। जो प्रयास एक स्थानीय पर्यावरणीय चिंता से शुरू हुआ था, वह अब यह तय कर रहा है कि विभिन्न सार्वजनिक संस्थान देशी प्रजातियों के संरक्षण को कैसे अपनाते हैं।

शैक्षणिक अंगीकरण: विश्वविद्यालय की अग्रणी भूमिका

मॉडल के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा उठाया गया है, जिसने आरईटी संरक्षण को संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ाने हेतु इंदौर वन मंडल को मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया है। विश्वविद्यालय परिसर में पहले से किए गए सफल आरईटी पौधारोपण के बाद, विश्वविद्यालय नेतृत्व ने वन विभाग के साथ औपचारिक समन्वय शुरू किया। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर आरईटी पौधारोपण, छात्रों के लिए संरचित प्रशिक्षण तथा अकादमिक एकीकरण की संभावनाओं को विकसित करना है। इस संदर्भ में दिनांक 10.12.2025 को विश्वविद्यालय परिसर में एक आधिकारिक समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. राकेश सिंघई, कुलपति, देवी अहिल्या बाई होलकर विश्वविद्यालय, इंदौर ने की। बैठक में निम्न अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे

डॉ. पी.सी. दुबे, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक

श्री प्रदीप मिश्रा, वनमंडलाधिकारी, इंदौर वन मंडल

डॉ. संजय व्यास, प्रोफेसर, शासकीय होलकर साइंस कॉलेज, इंदौर

श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह, एसडीओ, सामाजिक वानिकी, इंदौर

बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि विश्वविद्यालय अब एक-दिवसीय पौधारोपण कार्यक्रमों से आगे बढ़ते हुए संरक्षण शिक्षा में दीर्घकालिक भूमिका निभाना चाहता है। इसमें छात्रों के लिए एक विशेष अकादमिक पाठ्यक्रम तैयार करने पर चर्चा हुई, जिसमें वन पारिस्थितिकी, पारिस्थितिक सेवाएँ, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु अनुकूलन में आरईटी प्रजातियों की भूमिका शामिल होगी। साथ ही, नर्सरी प्रशिक्षण, प्रजाति पहचान, पारिस्थितिक निगरानी और मार्गदर्शित वन भ्रमण जैसे फील्ड-आधारित घटकों की भी योजना बनाई जा रही है, ताकि छात्र संरक्षण कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ सकें।

पुलिस विभाग की सहभागिता

एक अन्य उल्लेखनीय पहल के तहत मध्य प्रदेश पुलिस विभाग ने भी वन विभाग के साथ समन्वय में आरईटी आधारित पौधारोपण शुरू किया है, जो कानून प्रवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक दुर्लभ समन्वय को दर्शाता है। 15 दिसंबर 2025 को इंदौर के स्कीम-140 क्षेत्र तथा 16 दिसंबर 2025 को देवास जिले के शंकरगढ़ पहाड़ियों में आरईटी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम श्री राजा बाबू सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (ADGP), मध्य प्रदेश पुलिस की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस सहभागिता का उद्देश्य पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देना, संस्थागत परिसरों में हरित क्षेत्र विकसित करना और देशी प्रजातियों के संरक्षण का सामाजिक संदेश सुदृढ़ करना है।

अन्य जिलों में प्रतिकृति

इंदौर मॉडल से प्रेरित होकर देवास जिला अब विशेष रूप से आरईटी प्रजातियों के संरक्षण पर केंद्रित कार्यक्रम शुरू कर चुका है। वहीं उज्जैन और धार वन मंडलों ने भी नर्सरी योजना, प्रजाति-वार निगरानी और सामुदायिक बीज संग्रह जैसे घटकों को अपनाने में रुचि व्यक्त की है। अधिकारियों का कहना है कि इस मॉडल की लचीलापन-आधारित संरचना इसे विभिन्न भौगोलिक एवं वन प्रकारों में अपनाने योग्य बनाती है।

संस्थाएँ इस मॉडल को क्यों अपना रही

विशेषज्ञों के अनुसार, आरईटी प्रजातियाँ संख्या में कम होने के बावजूद भू-जल पुनर्भरण, मृदा संरक्षण, जैव विविधता समर्थन और दीर्घकालिक जलवायु स्थिरता में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये गुण अक्सर सजावटी या तेज़ी से बढ़ने वाली प्रजातियों में अनुपस्थित होते हैं। विश्वविद्यालयों, पुलिस परिसरों, सरकारी संस्थानों और समुदायों में आरईटी संरक्षण को समाहित कर यह मॉडल पौधारोपण को केवल एक वानिकी गतिविधि नहीं, बल्कि शासन और शिक्षा का विषय बनाता है।

संरक्षण सोच में बदलाव

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि इंदौर आरईटी मॉडल की विशिष्टता केवल प्रजाति चयन में नहीं, बल्कि इसके संस्थागत विस्तार में निहित है। विश्वविद्यालय इसे शिक्षा से जोड़ रहे हैं, पुलिस विभाग पारिस्थितिक उत्तरदायित्व निभा रहा है और अन्य वन मंडल इसे अपने परिदृश्य के अनुसार अपना रहे हैं। मध्य भारत में बढ़ते जलवायु दबाव और जैव विविधता ह्रास के बीच, यह अंतर-संस्थागत अंगीकरण देशी प्रजातियों के दीर्घकालिक पुनर्जीवन के लिए एक अनुकरणीय और सतत मार्ग प्रस्तुत करता है।

इंदौर में ब्लैक पैंथर की अफवाह

हकीकत क्या है और घबराने की जरूरत क्यों नहीं

Range	Beat	Tiger Sign	Leopard Sign
Indore	26	03	14
Manpur	23	0	12
Mhow	20	2	9
Choral	33	13	28
Ralamandal	1	0	1
---	---	---	---
Total	103	18	64

आदित्य शर्मा» » रणजीत टाइम्स

मंगलवार सुबह इंदौर के आरआरकैट परिसर के पास हिम्मतगढ़ गांव क्षेत्र में "ब्लैक पैंथर" देखे जाने का दावा करने वाली एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई। कुछ ही समय में यह तस्वीर व्हाट्सऐप ग्रुपों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैल गई, जिससे कैट रोड और आसपास के गांवों में लोगों के बीच चिंता और चर्चा का माहौल बन गया। हालांकि, वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मामले की वैज्ञानिक जांच और मौके पर की गई पड़ताल में अब तक किसी भी बड़े वन्यजीव, विशेष रूप से ब्लैक पैंथर या तेंदुए की मौजूदगी का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

क्या दावा किया गया था

सोशल मीडिया पर फैली जानकारी के अनुसार, यह तस्वीर 16 दिसंबर को सुबह करीब 11:15 बजे 12 वर्षीय बालक मीत चौधरी द्वारा ली गई बताई गई, जो आरआरकैट क्षेत्र के पास रहता है। इसके अलावा, पास की एक फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला ने भी शाम करीब 7 बजे पैंथर जैसे जानवर को देखने का दावा किया। इन दावों को गंभीरता से लेते हुए, इंदौर वन मंडल की टीम ने तुरंत जांच शुरू की।

वन विभाग की ज़मीनी जांच

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आरआरकैट की सीमा, आसपास की झाड़ियों, खेतों, गांव के रास्तों, नालों और खुले मिट्टी वाले क्षेत्रों में गहन तलाशी ली। आमतौर पर अगर तेंदुआ या कोई बड़ा मांसाहारी जानवर उस इलाके से गुजरा होता है, तो उसके पंजों के निशान, मल, खरोंच या अन्य संकेत ज़मीन पर मिल जाते हैं। लेकिन कई बार जांच करने के बावजूद, मौके पर ऐसे कोई निशान नहीं मिले जो तेंदुए या किसी बड़े वन्यजीव की मौजूदगी की पुष्टि कर सकें।

तस्वीर और बयानों की जांच

जांच के दौरान उस मोबाइल फोन की भी पड़ताल की गई जिससे तस्वीर ली गई बताई गई थी। जांच में सामने आया कि तस्वीर में कई बार एडिटिंग की गई थी। जब तस्वीर की पृष्ठभूमि की तुलना वास्तविक स्थान से की गई, तो पेड़-पौधों, ज़मीन और आसपास के ढांचे मेल नहीं खाते पाए गए। इसके अलावा, पूछताछ के दौरान दिए गए बयानों में भी विरोधाभास पाया गया। फैक्ट्री में काम करने वाली महिला के दावे की भी मौके पर जाकर जांच की गई, लेकिन वहां भी किसी तरह के वन्यजीव के संकेत नहीं मिले।

ब्लैक पैंथर को लेकर भ्रम

वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को यह भी समझाया कि ब्लैक पैंथर कोई अलग या खतरनाक प्रजाति नहीं है। दरअसल, यह सामान्य भारतीय तेंदुए का ही एक रूप होता है, जिसमें मेलानिज़्म नामक आनुवंशिक कारण से उसका रंग काला दिखाई देता है। उसका स्वभाव और व्यवहार सामान्य तेंदुए जैसा ही होता है। भारत में ब्लैक पैंथर बहुत दुर्लभ हैं और वे आमतौर पर घने जंगलों वाले इलाकों में पाए जाते हैं, जैसे पश्चिमी घाट, ताडोबा, पेंच और अचानकमार टाइगर रिज़र्व। इंदौर जैसे शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्र में इसकी मौजूदगी असामान्य मानी जाती है और इसके लिए ठोस वैज्ञानिक प्रमाण आवश्यक होते हैं।

एहतियात के तौर पर कदम

हालांकि अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी लोगों को आश्वस्त करने के लिए इंदौर वन मंडल ने हिम्मतगढ़, कैट रोड और आसपास के इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। साथ ही, रणनीतिक स्थानों पर कैमरा ट्रैप भी लगाए जाएंगे, ताकि यह पूरी तरह स्पष्ट हो सके कि क्षेत्र में किसी बड़े वन्यजीव की गतिविधि है या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि यदि भविष्य में किसी तेंदुए की मौजूदगी की वैज्ञानिक पुष्टि होती है, तो जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसे पकड़कर सुरक्षित जंगल क्षेत्र में स्थानांतरित करने सहित सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

लोगों से अपील

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि की गई जानकारी साझा न करें और किसी भी वन्यजीव के दिखने की सूचना सीधे वन विभाग को दें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस समय घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है और स्थिति पर पूरी तरह निगरानी रखी जा रही है। वन विभाग की जांच के अनुसार, आरआरकैट क्षेत्र में ब्लैक पैंथर देखे जाने का दावा फिलहाल प्रमाणित नहीं हो सका है।

डायबिटीज के रोगी हैं तो पायरिया को न करें अनदेखा, विशेषज्ञ से सलाह ले :- डॉ मिनी माथुर

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर की डेंटल सर्जन डॉक्टर मिनी माथुर बोली कि मुख को शरीर का आईना माना गया है | मुंह से बदबू आना, मसूड़ों से खून आना, दांतों में झनझनाहट एवं उनका हिलना या गिर जाना इस बीमारी के मुख्य लक्षण हैं। दांत के मसूड़े और हड्डी गलने की बीमारी को पायरिया कहते हैं। मुख को शरीर का आइना माना गया है। मुख-मसूड़ा हमारे शरीर में पनप रही बीमारियों का साक्षी एवं कारण होता है। डायबिटीज, दिल की बीमारियां, निमोनिया, गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं, कम वजन के शिशु का जन्म आदि लंबे समय तक पायरिया के कारण हो सकती हैं।

पायरिया से डायबिटीज का खतरा माना है

मुख्य रूप से डायबिटीज में जैसे रेटिनोपैथी, न्यूरोपैथी हो जाती है वैसे ही अमेरिकन डायबिटिक एसोसिएशन ने पायरिया से डायबिटीज का खतरा माना है। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि जिन्हें डायबिटीज होती है उन्हें जल्दी और ज्यादा पायरिया होता

है। इस हकीकत का भी पता चलता है कि यदि पायरिया है तो शरीर में इंसुलिन हार्मोन अच्छे से काम नहीं करता है। इससे डायबिटीज बढ़ती है।

डायबिटिक मरीज के लिए जरूरी सलाह

दिन में 2 बार सही तरीके से ब्रश
फ्लॉस / इंटरडेंटल ब्रश का उपयोग
ब्लड शुगर कंट्रोल में रखें
नियमित डेंटल चेक-अप कराएँ
मसूड़ों से खून, सूजन या बदबू को नजरअंदाज न करें

शिवपुरी में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन, सुदामा-कृष्ण मित्रता का हुआ मार्मिक वर्णन

शिवपुरी के ग्वालियर बायपास स्थित करौंदी कॉलोनी में गीता परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ समापन हुआ। कथा के सातवें एवं अंतिम दिन कथा व्यास पीठाधीश्वर पंडित प्रदीपानंद भारतद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कथा व्यास ने सातवें दिन के प्रसंगों में श्रीकृष्ण द्वारा मां देवकी के आग्रह पर उनके छह पुत्रों को वापस लाने, सुभद्रा हरण तथा सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन किया। सुदामा–कृष्ण की मित्रता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता कैसी होती है, यह भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जी के चरित्र से सीखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि पत्नी के आग्रह पर सुदामा अपने मित्र श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका पहुंचे। महल के द्वार पर द्वारपालों ने उन्हें भिक्षुक समझकर रोक लिया, लेकिन जैसे ही भगवान को सुदामा के आने का समाचार मिला, प्रभु "सुदामा–सुदामा" कहते हुए स्वयं दौड़कर द्वार पर पहुंचे और अपने सखा को गले लगा लिया। इस दृश्य को देखकर सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालु भावुक हो उठे। प्रभु श्रीकृष्ण ने सुदामा को राजसिंहासन पर बिठाया और अपनी कृपा से उन्हें कुबेर के समान वैभव प्रदान किया। कथा

व्यास ने कहा कि जब-जब भक्तों पर विपत्ति आती है, तब-तब भगवान स्वयं उनका उद्धार करने आते हैं। जो व्यक्ति श्रद्धा से भागवत कथा का श्रवण करता है, उसका जीवन अवश्य ही भवसागर से पार हो जाता है। कथा समापन अवसर पर गीता परिवार जोधपुर से पधारे गणमान्य अतिथियों — शांति पुरोहित, मानकोर पुरोहित, शांति व्यास, गीता बिस्सा, इंदु बोड़ा, शारदा व्यास, प्रभा व्यास एवं रक्षा व्यास — का कथा व्यास द्वारा साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया।

समापन के पश्चात सभी भक्तों ने कथा स्थल से बाबा की समाधि तक भव्य शोभायात्रा निकाली और वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना व दर्शन किए। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्तिमय एवं शांतिपूर्ण बना रहा।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई अभियान

बिना हेलमेट 531 वाहन चालकों पर कार्यवाही सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को रोकने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 531 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालान कार्रवाई की गई। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा हेतु हेलमेट का सदैव उपयोग करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

नो एंट्री का उल्लंघन करने वालों पर इंदौर पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी...

15 भारी वाहनों के विरुद्ध की गई चालानी कार्यवाही

इंदौर - शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रबंधन का कार्य एवं नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। इसी अनुक्रम में कल दिनांक 18 दिसंबर की सुबह से आज 19 दिसंबर की सुबह तक नो एंट्री में भारी वाहनों को लाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध, इंदौर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 15 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर 75000/- रुपये का समन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा कराया । साथ ही उन्हें हिदायत भी दी गई कि प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें।

कॉलेज चलो अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को वर्ष 2026-27 में प्रवेश हेतु विभिन्न जानकारियां दी जा रही

दिलीप पाटीदार

धार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में प्रवेश हेतु कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। प्राचार्य डॉ एसएस बघेल एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आयशा खान, नोडल अधिकारी एईडीपी डॉ प्रभा सोनी के विशेष मार्गदर्शन में कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। इसमें शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय में जाकर छात्र-छात्राओं को मई जून वर्ष 2026-27 में प्रवेश हेतु विभिन्न जानकारियां दी जा रही है। जिसमें महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी बताया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉक्टर निर्भय सिंह सोलंकी ने बताया कि महाविद्यालय में एक बड़ा खेल का मैदान, एक बड़ी लाइब्रेरी, साइंस विषय के लिए प्रयोगशाला, तीन बड़े गार्डन, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, एनसीसी कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, दी जाने वाली छात्रवृतियां, आवास योजना, स्मार्ट क्लासेस, बालक बालिका छात्रावास, एक बड़ा ऑडिटोरियम हॉल, आर ओ द्वारा सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से पेयजल की व्यवस्था व पी एचडी शोध केंद्र हैं। स्नातक स्तर पर गणित समूह में गणित भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक, विज्ञान संकाय में वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, कला संकाय में हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत, उर्दू, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, चित्रकला, मनोविज्ञान, वाणिज्य संकाय में बीकॉम प्लेन बीकॉम, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में एमएससी रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, एम ए एम ए हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, संस्कृत, एमएसडब्ल्यू एम कॉम वोकेशनल सब्जेक्ट, फर्स्ट ईयर में पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, ऑर्गेनिक फार्मिंग, डिजिटल मार्केटिंग, वेब डिजाइनिंग, टूरिज्म, वर्मी कंपोस्टिंग, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी, एमडीसी साइंस ग्रुप में बिहेवियर साइकोलॉजी, आर्ट ग्रुप में एनवायरनमेंट साइंस, कॉमर्स ग्रुप में इकोनॉमिक्स आदि विषय उपलब्ध है।

इसी के साथ ही समय-समय पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिससे उनके व्यक्तित्व में विकास हो सके, पढ़ाई के अलावा भी संपूर्ण विकास के लिए अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाती है। खेलकूद के माध्यम से यहां के छात्र राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित युवाओं का निर्माण किया जाता है और यहां के छात्र छात्रा राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न नेतृत्व शिविरों में भाग लेते हैं। कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। जिससे छात्र छात्राओं को और भी अन्य गतिविधियो के माध्यम से अपनी स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रेरित किया जाता है। समय-समय पर विभिन्न विभागों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया जाता है। एनसीसी के माध्यम से नेवी में आर्मी में और एयरफोर्स में पुलिस डिपार्टमेंट में छात्र-छात्राओं का चयन होता है जो राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। इस संपूर्ण अभियान में त्रिलोक भवेल ओम प्रकाश सोलंकी डॉ नम्रता खुराना आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ "MD" के साथ आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग 16.13 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" (अंतराष्ट्रीय कीमत करीबन 1,60,000/- रुपए) जप्त । आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बिक्री करना कबूला। आरोपी नहरू दिहाड़ी वेतन पर मजदूरी करता है एवं 7वीं तक ही पढ़ाई की है। अपराध क्रमांक- 215/2025 , धारा- 8/22

घटना स्थल- संजय सेतु क्षेत्र के सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने

आरोपी के नाम - नहरु खान नि आज़ाद नगर इंदौर

जब्त माल का विवरण : - 16.13 ग्राम एमडी कुल कीमत 1,60,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश पतारसी करने के दौरान शहर के संजय सेतु क्षेत्र के सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने एक व्यक्ति सड़क के किनारे खड़ा दिखा जो कि गतिविधि से संदिग्ध लगा जिससे पूछताछ करने पर पुलिस को

देख घबराने लगा जिसे घेराबंदी कर रोका। पुलिस द्वारा नाम पता पूछने पर अपना नाम नहरु खान नि आजाद नगर इंदौर का होना बताया। जिसकी विधिवत तलाशी लेते 16.13 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD एक नारंगी रंग की थैली में मौके से बरामद की गई। आरोपी को अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस कार्यवाही -

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि अवैध लाभ अर्जित करने की मंशा से सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर इंदौर शहर में बेचना कबूला है । आरोपी से 16.13 ग्राम "MD" जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 215/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर महिला कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन

शाह के बंगले पर प्रदर्शन करने जाते हुए सैकड़ों महिलाएं गिरफ्तार

महिलाओं के सम्मान में रीना बौरासी सेतिया ने दी गिरफ्तारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदेश महिला कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। शाह के बंगले पर प्रदर्शन करने जाते हुए सैकड़ों महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महिलाओं के सम्मान में प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने भी गिरफ्तारी दी। प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने पिछले दिनों रतलाम में अधिकारियों की बैठक लेते हुए लाडली बहन योजना का लाभ प्राप्त कर रही महिलाओं को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसका विरोध करते हुए महिला कांग्रेस के द्वारा विजय शाह के स्थित है अथवा उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई थी। पिछले दो दिनों में महिला कांग्रेस के द्वारा पूरे प्रदेश के हर शहर और जिले में विजय शाह का पुतला जलाया गया। इस मामले को लेकर आज प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के नेतृत्व में सैकडों महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं का समूह श्यामला हिल्स में विजय शाह के बंगले पर प्रदर्शन करने के लिए जुलूस के रूप में रवाना हुआ। सभी महिलाएं प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर एकत्रित हुई और वहां से जुलूस के रूप में रवाना हुई। रास्ते में पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए पूरे रास्ते को जाम कर दिया। पुलिस के द्वारा महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोका गया। इन कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ता बंद कर रोक लिया। इसके बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस के द्वारा बल प्रयोग करते हुए सभी महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया अपने सैकड़ो महिला कार्यकर्ताओं के साथ गिरफ्तारी दी।

इस आंदोलन के बाद रीना बौरासी सेतिया ने कहा है कि महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा किसी भी हालत में मंजूर नहीं की जाएगी। प्रदेश सरकार का जो भी मंत्री महिलाओं का अनादर करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ हम मोर्चा संभालेंगे। विजय शाह का मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है। हम मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि महिलाओं को लेकर इतने गंदे विचार रखने वाले इस मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाएं। आने वाले दिनों में महिला कांग्रेस के द्वारा विजय शाह के खिलाफ और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

धार में भीषण सड़क हादसा : डीजल टैंकर की टक्कर से मां-बेटे की दर्दनाक मौत, हादसे के बाद लगी आग

धार। मध्यप्रदेश में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का खामियाजा लगातार लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। ताजा मामला धार जिले के गाजनोद क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में टैंकर में भीषण आग लग गई। यह दुर्घटना ग्राम गाजनोद के पास मोड़ के समीप हुई। जानकारी के अनुसार एक तेज रफ्तार डीजल टैंकर, जिसमें उस समय डीजल नहीं था, अनियंत्रित होकर बाइक सवार मां-बेटे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक बाइक से ग्राम कोद में एक गमी के कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद डीजल टैंकर भी बेकाबू होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसा, जहां उसमें अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अलग-अलग एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कानवन थाना प्रभारी गगन हनवत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं बदनावर नगर परिषद की फायर ब्रिगेड को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद टैंकर में लगी आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं किया जाता, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में मातम का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

मप्र में ठंड का विकराल रूप, शहडोल में 3.5 डिग्री तक लुढ़का पारा, कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में सर्दी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेशभर में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और आने वाले दिनों में ठंड के और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रदेश के अलग-अलग शहरों में न्यूनतम तापमान बेहद नीचे चला गया है। ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस, उज्जैन में 7.3 डिग्री और जबलपुर में 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। राजधानी भोपाल में भी ठंड ने लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है, जहां न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं इंदौर में पारा 4.5 डिग्री तक लुढ़क गया, जो प्रदेश के बड़े शहरों में सबसे कम तापमान रहा। प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शहडोल जिले का कल्याणपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान महज 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस भीषण ठंड के चलते सुबह और रात के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। लोग अलाव और हीटर का सहारा लेने को मजबूर हैं। ठंड के साथ-साथ घने कोहरे ने भी परेशानी बढ़ा दी है। ग्वालियर-चंबल, रीवा और सागर संभाग के कई इलाकों में सुबह से घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई है। इंदौर और उज्जैन संभाग में भी ठंड का असर सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है। कोहरे की वजह से सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।दिल्ली से इंदौर और भोपाल आने वाली अधिकांश ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

कई ट्रेनें 30 मिनट से लेकर 5 घंटे तक लेट पहुंच रही हैं। गुरुवार को पंजाब मेल, शताब्दी एक्सप्रेस, झेलम एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, कोल्हापुर सुपरफास्ट और मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों पर कोहरे का सीधा असर देखने को मिला। दृश्यता कम होने के कारण रेलवे को सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेनों की गति घटानी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर से आ रही सर्द हवाओं के चलते प्रदेश में ठंड का यह दौर अभी जारी रहेगा। अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के साथ कोहरे की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने, सुबह-शाम विशेष सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

अवैध कोयला परिवहन पर प्रशासन का कड़ा प्रहार, सिंगरौली में बिना परमिट और गलत पंजीयन वाले 18 ट्रक जब्त

सिंगरौली। जिले में एनसीएल की कोयला खदानों से जुड़े कोयला परिवहन में लंबे समय से चल रही अनियमितताओं पर प्रशासन ने बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। आरटीओ उड़नदस्ता और माइनिंग विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए कोयला लदे 18 ट्रकों को जब्त किया है। जांच के दौरान सामने आया कि इन ट्रकों के पास न तो वैध ट्रांजिट परमिट थे और न ही कई वाहनों के पंजीयन नंबर सही पाए गए, जिससे अवैध कोयला परिवहन की पुष्टि हुई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार एनसीएल की खदानों से निकलने वाले कोयले का अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा था। जब्त किए गए ट्रकों की जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कुछ ट्रकों पर दर्ज नंबर वास्तविक पंजीयन से मेल नहीं खा रहे थे, जबकि अधिकांश वाहनों के पास परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज ही नहीं थे। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अवैध परिवहन से न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन होता है, बल्कि कोयला चोरी के जरिए सरकार को बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी पहुंचता है। गौरतलब है कि इससे पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। कुछ दिन पहले एनसीएल की जयंत खदान से कोयला लेकर जा रहा एक ट्रक मुड़वानी डैम के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। उस मामले में भी जांच के दौरान ट्रक के पास कोई वैध ट्रांजिट परमिट नहीं पाया गया था। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने कोयला परिवहन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिंगरौली देश के प्रमुख कोल माइनिंग क्षेत्रों में शामिल है, जहां से सरकार को भारी राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में कोयला परिवहन में पारदर्शिता और सख्त निगरानी की मांग लगातार उठती रही है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि अवैध परिवहन पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया, तो इससे न केवल राजस्व को नुकसान होगा, बल्कि संगठित अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। भाजपा कार्यकर्ता विनोद सिंह ने कहा है कि कोयला परिवहन में हो रही अनियमितताओं पर कठोर कार्रवाई बेहद जरूरी है, ताकि इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। वहीं जिला खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने बताया कि जांच के दौरान दस्तावेजों में गंभीर खामियां पाई गई हैं।

नियमानुसार सभी जब्त ट्रकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी इस तरह के संयुक्त अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि अवैध कोयला परिवहन पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

खनियाधाना विकासखंड में पहाड़ा प्रतियोगिता का ऐतिहासिक आयोजन

टॉप 5 छात्रों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को कलेक्टर महोदय से संवाद का मिलेगा स्वर्णिम अवसर

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

खनियाधाना विकासखंड में शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की गणितीय दक्षता, त्वरित गणना क्षमता एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष पहाड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचारपूर्ण और प्रेरणादायी पहल के रूप में सामने आ रही है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए खनियाधाना बीआरसीसी संजय भदोरिया ने बताया कि। प्रतियोगिता का प्रथम चरण विकासखंड के शासकीय विद्यालयो में 27 दिसंबर 2025 को विद्यालय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। विद्यालय स्तर से चयनित प्रतिभागी 6जनवरी 2025 को संबंधित जन शिक्षा केंद्र पर आयोजित प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। जन शिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी संबंधित जन शिक्षा केंद्र के सीएसी (CAC) रहेंगे, जिनके मार्गदर्शन एवं समन्वय में प्रतियोगिता संपन्न कराई जाएगी। इस स्तर पर प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से तीन-तीन विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें ब्लॉक स्तर के लिए भेजा जाएगा। इसके पश्चात 10 जनवरी 2026 को ब्लॉक स्तरीय मुख्य पहाड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ब्लॉक स्तर की इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का संचालन एवं मूल्यांकन खनियाधाना विकासखंड के बीएसी,, सीएसी तथा विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के पैनल द्वारा किया जाएगा, जो पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ प्रतियोगिता को संपादित कराएंगे।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप फाइव छात्र-छात्राओं को पहाड़ा प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया जाएगा। इस संपूर्ण प्रतियोगिता में प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से आदिवासी छात्र-छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा ब्लॉक मुख्यालय पर होने वाली प्रतियोगिता में भी आदिवासी छात्र चयनित होकर आए इसका विशेष प्रयास रहेगा इस अवसर पर ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह जी सिकरवार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनकी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रतियोगिता का सफल संचालन किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह एवं आत्मविश्वास और अधिक बढ़ेगा। प्रतियोगिता का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहेगा कि चयनित विजेता छात्र-छात्राओं एवं उनकी तैयारी कराने वाले शिक्षकों को श्रीमान कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत शिवपुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के साथ चाय पर चर्चा करने का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान विजेता छात्र और उनके मार्गदर्शन शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत, अपने अनुभव और सुझाव सीधे जिला प्रशासन के समक्ष साझा करेंगे इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक श्रीवास्तव एवं जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह जी सिकरवार भी उपस्थित रहेंगे इसके अतिरिक्त, विजेता विद्यार्थियों को बीआरसीसी कार्यालय, खनियाधाना की ओर से प्रमाण पत्र, शील्ड एवं उपहार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्हें शिवपुरी जिला मुख्यालय ले जाकर कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के साथ विशेष बैठक में सम्मिलित कराया जाएगा, जो उनके लिए एक गौरवपूर्ण पल होगा यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करेगी, बल्कि प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सीईओ नरवरिया ने किया सुशासन सप्ताह का शुभारंभ मौके पर किया समस्याओं का निराकरण

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर(शिवपुरी) - जनपद पंचायत पिछोर अंतर्गत ग्राम पंचायत पटसेरा में शुक्रवार दोपहर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवपुरी एनएस नरवरिया द्वारा केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी अभियान सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया गया इस मौके पर ग्राम पंचायत पटसेरा के पंचायत भवन कार्यालय पर पहुंचे सीईओ नरवरिया ने महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में प्रमुख तौर पर पंचायत सचिव अजब सिंह लोधी ने बताया कि सीपीग्राम पोर्टल एवं सीएम हेल्पलाइन पर लंबित जनशिकायतों के निवारण एवं सेवा वितरण में सुधार के लिये प्रशासन गांव की ओर राष्ट्रव्यापी अभियान दिनांक 19 से 25 दिसंबर तक प्रत्येक जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाना है उन्होंने कहा कि हमें सुशासन सप्ताह के अंतर्गत इन गतिविधियों को आयोजित कराया जाना सुनिश्चित करना है जिसमें विशेष शिविरों में हितग्राहीमूलक हितलाभ वितरित एवं आवेदनों का निराकरण सहित सुशासन की प्रथाओं का संकलन करना और उन्हें आवश्यक चित्रों के साथ पोर्टल पर प्रसारित और साझा करना है इसके अलावा जन शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानियां संकलित की जाना है पटसेरा में आयोजित उक्त शुभारंभ कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरवरिया द्वारा सीपीग्राम पोर्टल पर पर दर्ज शिकायत का निराकरण भी किया गया साथ ही तीन हितग्राहियों की पेंशन को स्वीकृत करने का काम किया गया वही संबल योजना अंतर्गत पटवारी को जमीन संबंधी जानकारी शीघ्र हितग्राही को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

कार्यक्रम के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरवरिया ने पटसेरा में स्थित शांति धाम में पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री तथा पंचायत मंत्री की मंसा अनुसार सुव्यवस्थित एवं सर्व सुविधा युक्त शांतिधाम परिसर का निर्माण एवं विकास कराया जाना सुनिश्चित करें इस मौके पर पंचायत सरपंच श्रीमती उर्मिला यादव सहायक यंत्री शशिपाल सिंह नैन,एडीओ सत्येंद्र झा, सहायक सचिव बृजेश झा, शिक्षक सुनील गुप्ता तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

14 वर्षीय 69 राष्ट्रीय बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता का शुभारंभ 19 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे गांधी स्टेडियम शहडोल में किया गया। 04 दिनो तक चलने वाली प्रतियोगिताएं 04 खेल मैदानों गांधी स्टेडियम शहडोल, गुड शेफर्ड स्कूल शहडोल, डाइट परिसर तथा इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय शहडोल में आयोजित की जाएंगी। भारत सरकार द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर की देख-रेख में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए निर्धारित खेल मैदान एवं समय के अनुसार खिलाड़ियों को विशेष वाहन द्वारा खेल मैदान तक पहुंचाया जाएगा। प्रत्येक दिन शायंकाल 06:30 बजे से 07:30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कलेक्टर केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव,कमिश्नर सुरभि गुप्ता विधायक मनीषा सिंह, शरद कोल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे 1

उद्धव-राज की पार्टी के बीच सीट विवाद गहरायाMNS को पसंद नहीं आ रहा शिवसेना का ये रुख

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनावों से पहले सियासी पारा हाई हो चला है. शिवसेना (UBT) और राज ठाकरे की मनसे के बीच सीट बंटवारे पर विवाद गहरा गया है. मनसे ने माहिम, विक्रोली और शिवडी जैसी शिवसेना (UBT) के मौजूदा विधायक वाली सीटों पर दावा ठोका है. शिवसेना (UBT) का इन सीटों को न छोड़ने का अड़ियल रवैये के कारण बातचीत बेनतीजा रही है. अब इसको सुलझाने के लिए ठाकरे बंधु सीधे बातचीत करेंगे, जो बीएमसी चुनाव से पहले दोनों दलों के लिए एक बड़ी चुनौती है. महाराष्ट्र बीएमसी चुनाव को लेकर अभी तक सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है. अब राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं. इसी बीच शिवसेना (UBT) और मनसे के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही है. मनसे ने विक्रोली और शिवडी विधानसभा क्षेत्र में आने वाले बीएमसी की सीटों पर दावा ठोका है, जबकि शिवसेना इन सीटों को किसी भी हालत में छोड़ना नहीं चाहती है।

दोनों दलों के नेताओं के बीच सीट बंटवारे की

बातचीत हुई थी. हालांकि ये बातचीत और मीटिंग बेनतीजा रही है. ऐसे में तय है कि आने वाले दिनों में सीट बंटवारे को लेकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे बैठकर बातचीत कर सकते हैं. अब यही दोनों नेता पूरे मामले को बैठक और बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश करेंगे।

शिवसेना ने सीट बंटवारे पर क्या कहा?

मनसे ने जो 3 सीटें मांगी हैं वहां पर अभी शिवसेना (UBT)के ही विधायक हैं. शिवसेना (UBT) का कहना है कि, जिन विधानसभा क्षेत्र में हमारे विधायक है वहां के सीटों को छोड़कर मनसे कोई और सीटें मांगे. हमारे जीते हुए सीटों पर बात नहीं होगी. शिवसेना(UBT) के नेताओं का यह अड़ियल रवैया मनसे को रास नहीं आ रहा है।

एक महीने से चल रही बातचीत

सीट बंटवारे की बातचीत में शिवसेना (UBT) की तरफ से अनिल परब, वरुण सरदेसाई और सूरज चव्हाण है और मनसे की तरफ से बाला नांदगांवकर, नितिन सरदेसाई है. पिछले महीने भर से दोनों दलों के नेताओं में सीट बंटवारे पर चर्चा हो रही है. लेकिन, अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है. जिन सीटों के बंटवारे पर विवाद है उन सीटों पर अब सीधे ठाकरे बंधू एकदूसरे से बात करेंगे।

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा दिल्ली का चिड़ियाघर, बंदर के हमले में दैनिक कर्मी बुरी तरह घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां काम करने वाले दैनिक वेतन भोगी भैरों प्रताप सिंह को बोनट बंदर ने बुरी तरह घायल कर दिया। वहीं कर्मचारी के परिवार का आरोप है कि चिड़ियाघर प्रशासन की तरफ से केवल प्राथमिक उपचार करके उसे बेहोशी की हालत में ही घर छोड़ दिया गया। हालांकि बाद में राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज करवाया गया है। बंदर के हमले की वजह से पीड़ित के हाथ और पैर में गंभीर घाव हो गए हैं। पीड़ित के परिवार का कहना है कि शुक्रवार को एक बार फिर इलाज के लिए चिड़ियाघर प्रशासन भैरों प्रताप सिंह को अस्पताल ले गया है। पीड़ित की पत्नी पूजा सिंह ने घटना को लेकर हजरत निजामुद्दीन पुलिस थाने में शिकायत भी दी थी। इसमें उन्होंने चिड़ियाघर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया था कि 2016 में भी एक बार इसी तरह की घटना हो चुकी है। उस समय शेर के बाड़े में खाना देते वक्त शेर ने हमला कर दिया था जिसमें पीड़ित को एक उंगली गंवानी पड़ी थी। उस समय चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से कोई मुआवजा नहीं मिला था। वहीं ईएसआई की तरफ से दो हजार रुपये की मासिक पेंशन का इंतजाम किया गया था। इसके बाद कहीं और काम मिलने में बेहद मुश्किल हो रही है। मजबूर होकर उन्होंने कुछ महीने पहले ही दैनिकभोगी कर्मचारी के तौर पर चिड़ियाघर में काम करना शुरू किया। पीड़ित की पत्नी का कहना है कि डॉ. मनोज नाम के शख्स ने उन्हें काम पर लगवाया था। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर में स्टाफ की बेहद कमी है और चार आदमी का काम एक को ही करना पड़ता है। पीड़ित भैरो प्रताप सिंह को भी एक साथ तीन-तीन बीट पर काम करना पड़ता था।

बेटे को मरने देने की अर्जी लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पिता, केस देखकर जज दुखी; खुद करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछले 12 साल से मरणासन्न स्थिति में पड़े 31 साल के युवक को हम इस हालत में नहीं छोड़ सकते। शीर्ष अदालत ने एम्स की ओर से युवक चिकित्सा रिपोर्ट को दुखद बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने युवक के पिता की ओर से इलाज रोककर यानी जीवन रक्षक सपोर्ट हटाकर प्राकृतिक रूप से मरने के लिए छोड़ देने की अनुमति देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। एम्स के डॉक्टरों की सेकेंडरी मेडिकल बोर्ड द्वारा पेश मेडिकल हिस्ट्री वाली रिपोर्ट पर विचार करने के बाद पीठ ने कहा कि 'यह बहुत दुखद रिपोर्ट है। हम इस लड़के को इस हालत में नहीं रख सकते।' हालांकि पीठ ने कहा कि इस मामले में कोई भी अंतिम आदेश पारित करने से पहले, हम युवक के माता-पिता से मिलना चाहेंगे। इसके साथ ही पीठ ने युवक के माता-पिता को 13 जनवरी को दोपहर 3 बजे मीटिंग तय की। वर्ष 2013 में एक मकान के चौथी मंजिल से गिरने के बाद 31 साल के हरीश राणा पिछले करीब 12 साल से वेजिटेटिव स्टेट में है। यह एक ऐसी अवस्था है, जिसमें व्यक्ति जाग तो रहा होता है (आंखें खुली होती हैं), लेकिन उसमें जागरूकता या सचेत प्रतिक्रियाओं का अभाव होता है। यह कोमा से अगल होता है।

30 साल बाद जापान में बड़ा फैसला- ब्याज दरों पर होने जा रहा है ऐतिहासिक बदलाव

टोक्यो, एजेंसी।
लगभग तीन दशकों तक बेहद कम ब्याज दरों की नीति अपनाने के बाद अब जापान की सेंट्रल बैंकिंग व्यवस्था एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ती दिख रही है। बढ़ती महंगाई और मजबूत वेतन वृद्धि के बीच बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों को 30 साल के सबसे ऊंचे स्तर तक ले जाने की तैयारी में है, जो न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भी एक अहम संकेत माना जा रहा है।

ब्याज दरों में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

बैंक ऑफ जापान की दो दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को शॉर्ट-टर्म ब्याज दरों को 0.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.75 प्रतिशत किए जाने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है, तो यह जनवरी के बाद पहली बढ़ोतरी होगी और दरें 1995 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच जाएंगी। उस समय जापान एसेट बबल फूटने के बाद गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था। हालांकि वैश्विक स्तर पर यह दर अभी भी कम मानी जाती है, लेकिन जापान के लिए यह एक

ऐतिहासिक कदम है, जो यह दिखाता है कि देश अब लंबे समय तक चली आसान मौद्रिक नीति से बाहर निकलने को तैयार है।

महंगाई पर बैंक को भरोसा

गवर्नर काजुओ उएदा का मानना है कि वेतन में लगातार हो रही बढ़ोतरी महंगाई को 2 प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास टिकाए रखेगी। यही भरोसा बैंक को आगे और दरें बढ़ाने के संकेत देने के लिए प्रेरित कर रहा है, भले ही वह फिलहाल यह साफ न करे कि अगली बढ़ोतरी कब और कितनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि बैंक यह संदेश देना चाहता है कि दरें बढ़ने के बावजूद वास्तविक ब्याज दरें अभी भी कम रहेंगी और आर्थिक हालात निवेश के लिए अनुकूल बने रहेंगे।

आगे और बढ़ सकती हैं दरें

रॉयटर्स के एक सर्वे के अनुसार, 90 प्रतिशत अर्थशास्त्री मानते हैं कि दिसंबर में दरें 0.75 प्रतिशत तक जाएंगी, जबकि दो-तिहाई से ज्यादा विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल सितंबर तक ब्याज दरें 1 प्रतिशत या उससे ऊपर पहुंच सकती हैं। बाजार अब उएदा की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर नजर लगाए हुए हैं, क्योंकि वहीं से यह संकेत मिल सकता है कि आगे दरें किस रफ्तार से बढ़ेंगी। इसका असर सिर्फ जापान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि येन की सस्ती फंडिंग वाली भूमिका बदलने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि बैंक के अनुमान के मुताबिक अर्थव्यवस्था के लिए न्यूट्रल ब्याज दर 1 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत के बीच मानी जाती है, लेकिन बैंक इस बैठक में इसे लेकर कोई नया आंकड़ा जारी नहीं करेगा। इसके बजाय, बैंक सिर्फ यह दोहराएगा कि जरूरत पड़ने पर वह आगे भी सख्ती करने को तैयार है।

यूके की अदालत में एनआरआई महिला की जंग

बीमारी के बावजूद लड़ रही बराबरी के हक की लड़ाई

लंदन, एजेंसी।
यूके की एक अदालत में एक एनआरआई महिला पिछले छह साल से अपने कार्यस्थल पर इंसाफ और बराबरी के अधिकार के लिए लड़ रही है। यह मामला सिर्फ एक नौकरी से जुड़ा विवाद नहीं है, बल्कि उन लाखों महिलाओं की आवाज है, जो गंभीर बीमारी के बावजूद काम करती हैं और कॉरपोरेट सिस्टम की कठोर नीतियों का शिकार होती हैं। पश्चिम बंगाल की संजु पाल की यह लड़ाई अब हाईकोर्ट अपील ट्रिब्यूनल तक पहुंच चुकी है। लंदन में चल रहे इस मामले में संजु पाल ने यूके के समानता कानून 2010 और रोजगार अधिकार अधिनियम 1996 के तहत अपने अधिकारों की मांग की है। संजु पाल एंडोमेट्रियोसिस नाम की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उनका कहना है कि इस बीमारी के कारण उन्हें कार्यस्थल पर भेदभाव झेलना पड़ा और अप या आउट जैसी कॉरपोरेट नीति के तहत उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया गया।

एंडोमेट्रियोसिस एक पुरानी बीमारी है, जिससे यूके में करीब 15 लाख महिलाएं प्रभावित बताई

जाती हैं। इस बीमारी में तेज दर्द और शारीरिक कमजोरी होती है। संजु पाल का कहना है कि नौकरी से निकाले जाने से पहले वह इसी बीमारी से जूझ रही थीं। इसके बावजूद ट्रिब्यूनल ने पहले यह मानने से इनकार कर दिया कि यह बीमारी कानूनी रूप से विकलांगता की श्रेणी में आती है। अब इसी फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। संजु पाल को एक कंसल्टिंग कंपनी में सीनियर मैनेजर पद पर पदोन्नति नहीं मिलने के बाद कथित खराब प्रदर्शन के आधार पर नौकरी से हटा दिया गया। कंपनी की नीति के अनुसार यदि कोई कर्मचारी तय समय में अगली पोस्ट के लिए तैयार नहीं माना जाता, तो उसे बाहर किया जा सकता है। संजु पाल का तर्क है कि कानून मौजूदा पद पर कामकाज के आधार पर ही आकलन की अनुमति देता है, न कि भविष्य की भूमिका के आधार पर। रोजगार ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2022 में संजु पाल के पक्ष में आंशिक फैसला सुनाया और उन्हें अनुचित बर्खास्तगी के लिए मुआवजा दिया। हालांकि, विकलांगता से जुड़े दावे को खारिज कर दिया गया। इसके बाद हाईकोर्ट अपील की अनुमति मिली। दिसंबर में सुनवाई पूरी हो चुकी है और आने वाले हफ्तों में फैसला आने की उम्मीद है। संजु पाल ने इस लड़ाई के लिए ऑनलाइन अभियान के जरिए आर्थिक मदद भी जुटाई।

व्यापक असर और उम्मीद

संजु पाल का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ उनकी नहीं है। अगर फैसला उनके पक्ष में आता है, तो इससे कंसल्टिंग सेक्टर और दूसरे कॉरपोरेट क्षेत्रों में काम करने वाली बीमार महिलाओं को मजबूती मिलेगी। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यस्थल पर गैरकानूनी और अमानवीय नीतियां खत्म हों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे कर्मचारियों के अधिकार सुरक्षित रहें।